चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
Chaudhary Charan Singh University, Meerut

NAAC A++
Email.:-registrar@ccsuniversity.ac.in   website:- www.ccsuniversity.ac.in

पत्रांक : सम्बद्धता / 4292 2025–26   **दिनांक : 05.2.2026**

सेवा में,

1. सचिव / प्राचार्य
समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय / संस्थान
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।

2. समस्त विभागाध्यक्ष / समन्वयक / निदेशक
विश्वविद्यालय परिसर,
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।

विषयः–राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मुलन कार्यक्रम के अन्तर्गत महात्मा गॉधी जी की पुण्यतिथि दिनांकः 30 जनवरी, 2026 से 13 फरवरी, 2026 तक "राष्ट्रीय कुष्ठ निवारण दिवस एवं स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान" चलाये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय / महोदया,

कृपया उपर्युक्त विषयक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मेरठ के पत्रांकः जि0कु0अधि0 / स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान / 2025–26–69 दिनांकः 27.01.2026 के साथ संलग्न महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाये, उत्तर प्रदेश, लखनऊ का संदर्भ ग्रहण करे, जिसके द्वारा राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मुलन कार्यक्रम के अन्तर्गत महात्मा गॉधी जी के पुण्यतिथि दिनांकः 30 जनवरी, 2026 से 13 फरवरी, 2026 तक आयोजित किये जाने के निर्देश प्रदान किये गये है।

उक्त के सम्बन्ध में संदर्भित पत्र की छायाप्रति समस्त संलग्नों सहित इस पत्र के साथ संलग्न कर इस आशय के साथ प्रेषित की जा रही है कि पत्र में उल्लेखित दिशा–निर्देशानुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करे।

संलग्नकः उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

05/2/26

सहा0 कुलसचिव (सम्बद्धता)

प्रतिलिपिः–

1. सचिव कुलपति को मा0 कुलपति महोदया के सूचनार्थ प्रेषित।
2. वयैक्तिक सहायक कुलसचिव को कुलसचिव के सूचनार्थ प्रेषित।
3. प्रेस प्रवक्ता, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ को सूचनार्थ प्रेषित।
4. प्रभारी, वेबसाइट, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ को सूचनार्थ प्रेषित।

सहा0 कुलसचिव (सम्बद्धता)

RVC 1522
29/1/26

VCO/35/46
28/01/26

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मेरठ।

पत्रांक–जि0कु0अधि0 / स्पर्श कुष्ठ जागरुकता अभियान / 2025–26 – 69

दिनांकः 27.01.2026

सेवा में,

1. जिला अधिकारी, मेरठ।
2. मुख्य विकास अधिकारी, मेरठ।
3. कुलपति चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय,मेरठ।
4. अपर निर्देशक चिकित्सा स्वास्थ सेवायें मेरठ मण्डल , मेरठ।।
5. प्रमुख अधीक्षक पी0एल0शर्मा जिला अस्पताल, मेरठ।
6. अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका महिला अस्पताल, मेरठ।
7. प्रधानाचार्य, एल0एल0आर0एम0, मेडिकल कॉलेज, मेरठ।
8. प्रधानाचार्य, सुभारती मेडिकल कॉलेज, मेरठ।
9. समस्त अधीक्षक सामु0स्वा0केन्द्र / प्रभारी चिकित्सा अधिकारी नगरीय प्रा0 स्वा0 केन्द्र, मेरठ।
10. जिला कार्यक्रम अधिकारी, मेरठ।
11. बेसिक शिक्षा अधिकारी, मेरठ।
12. अध्यक्ष, आई0एमए0, मेरठ।
13. जिला पंचायती राज अधिकारी, मेरठ।
14. नगर आयुक्त, मेरठ।
15. नगर स्वास्थ्य अधिकारी, मेरठ।
16. जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, मेरठ।
17. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, मेरठ।
18. जिला आशा कोआर्डिनेटर, मेरठ।

AR 5525
30/1/26

AR (Affiliation / Gen)
30.1.26

विषयः राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत महात्मा गाँधी जी की पुण्यतिथि दिनांक 30 जनवरी 2026 से 13 फरवरी 2026 तक "**राष्ट्रीय कुष्ठ निवारण दिवस एंव स्पर्श कुष्ठ जागरुकता अभियान**" चलाये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें,उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र संख्या–11फ / कुष्ठ / एस0एल0ए0सी0 / 2025 / 04 दिनांक 01.01.2026 के अनुपालन में 30 जनवरी 2026 को "**स्पर्श कुष्ठ जागरुकता अभियान**" 30जनवरी 2026 से 13 फरवरी 2026 तक आयोजित किये जाने के निर्देश दिये गये है। जिसके अन्तर्गत प्रदेश के सभी ग्रमसभा / पंचायत / नगरीय वार्डो(विशेष रुप से अर्बन स्लम में) किया जाना है उक्त गतिविधि के संचालन हेतु विभिन्न प्रकार के अभिलेख / प्रपत्र / पोस्टर / सामग्रियाँ इत्यादि (छायाप्रति संलग्न) है जिसमें जिलाधिकारी का संदेश, ग्राम सभा प्रमुख का भाषण पढा जाना है।

अतः आपसे अनुरोध है कि इस अभियान को सफल बनाने हेतु आप अपने स्तर से अपने अधीनस्थ सक्षम अधिकारियों / कमचारियों को आवश्यक आदेश / निर्देश जारी करने का कष्ट करें।

Registrar
28/1/26

VICE-CHANCELLOR

जिला कुष्ठ अधिकारी,
मेरठ।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
मेरठ।

पत्रांक व दिनांक उपरोक्तानुसार।
प्रतिलिपि– जिलाधिकारी, महोदय को सूचनार्थ सेवा में प्रेषित।

जिला कुष्ठ अधिकारी,
मेरठ।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
मेरठ।

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम
जनपद - मेरठ

"भेदभाव समाप्त कर गरिमा सुनिश्चित करें"

30 जनवरी 2026 से 13 फरवरी 2026

पंजे में कमजोरी

अंगुलियों में कमजोरी

आँख बंद करने में परेशानी

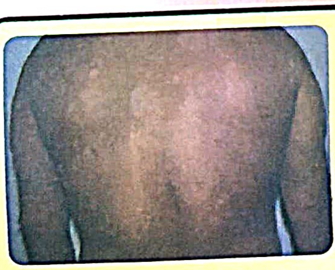
शरीर पर सुन्नदाग

दाग में लालपन अथवा सूजन

तंत्रिकाओं में मोटापन
दर्द अथवा झनझनाहट

लेपरा रिएक्शन

इनमें से कोई भी चिन्ह हो तो तुरन्त जाँच करवाये।
सभी अस्पतालों में जाँच व उपचार (एम.डी.टी.) मुफ्त उपलब्ध है।

डॉ. गजेन्द्र सिंह जिला कुष्ठ अधिकारी, मेरठ	**डॉ. अशोक कटारिया** मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मेरठ	**डॉ. वी.के. सिंह (IAS)** जिला अधिकारी, मेरठ

कार्यालय जिला कुष्ठ अधिकारी, मेरठ।

सेवा में,

समस्त ग्राम प्रधान/सभासद/प्रधानाचार्य/स्वयंसेवी संस्थाएं आदि।

जनपद मेरठ।

विषय–राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत महात्मा गाँधी जी की पुण्यतिथि दिनांक 30 जनवरी 2026 से 13 फरवरी 2026 तक "राष्ट्रीय कुष्ठ निवारण दिवस एंव स्पर्श कुष्ठ जागरुकता अभियान" चलाये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी के कुष्ठरोग के प्रति योगदान को जन समुदाय तक पहुंचाया जाये इस संदेश को जनपद मेरठ में विगत वर्षो से स्पर्श कुष्ठ जागरुकता अभियान मनाया जाता रहा है जिससे जनता में फैली कुष्ठरोग के प्रति भ्रांति, भेदभाव एंव पूर्व जन्मों का अभिशाप है इस भेदभाव को समाप्त किये जाने के उद्धेश्य हेतु उत्तर प्रदेश शासन एंव भारत सरकार द्वारा जिलाधिकारी महोदय के दिशा–निर्देशन में राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अर्न्तगत महात्मा गाँधी जी की पुण्यतिथि दिनांक 30 जनवरी 2026 से 13 फरवरी 2026 तक स्पर्श कुष्ठ जागरुकता अभियान चलाये जाने के सम्बन्ध में निर्देश प्राप्त हुआ है। जिसके अनुसार दिनांक 30 जनवरी 2026 को प्रातः11:00 बजे मेरठ जनपद के सभी ग्रामीण एंव नगरीय क्षेत्रों में निम्न गतिविधियाँ आपके द्वारा अपने कार्य–स्थल पर सम्पन्न कराई जानी है।

संलग्नक–4

(डा0 गजेन्द्र सिंह)
जिला कुष्ठ अधिकारी,
मेरठ।

Leprosy interruption of transmission at district level:- Action of Plan-

1. Organize house –to- house surveys, school screening and special outreach camps.
2. Ensure timely referral and confirmation of suspected cases.
3. Conduct Active Case Detection Campaigns in high risk and endemic blocks.
4. Educate Community that Leprosy is curable and treatment is free.
5. Reduce stigma and discrimination through school programs, media and community leaders.

1. घर–घर सर्वेक्षण, स्कूल स्वास्थ्य जांच एंव विशेष जांच शिविर।
2. संदिग्ध मामलों का शीघ्र निदान एंव पंजीकरण।
3. उच्च जोखिम एंव स्थानिक क्षेत्रों में सक्रिय रोग खोज अभियान।
4. समुदाय को बताना कि कुष्ठ रोग पूरी तरह से उपचार योग्य है एंव इलाज बिल्कुल निशुल्क है।
5. कलंक और भेदभाव को कम करना।

संलग्नक–1

जिलाधिकारी का संदेश

हम सभी.................. जनपद के लोग और जिला प्रशासन ''विकसित भारत अभियान'' के अवसर पर यह घोषणा करते हैं कि हम अपने जनपद को कुष्ठ रोग से मुक्त बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोडेगें। कुष्ठ रोग को पहचानना बहुत आसान है और यह साध्य है। हम सभी कुष्ठ रोगियों को जितनी जल्दी हो सके खोजने के लिए हर सम्भव प्रयास करेगें। हम इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जिले में उपलब्ध सभी संसाधनों का उपयोग करेगें। इसके साथ हम कुष्ठ प्रभावित व्यक्ति से कोई भेदभाव नहीं करेगें और न ही किसी दूसरे व्यक्ति को कुष्ठ रोग प्रभावित व्यक्ति और उनके परिवार के सदस्यों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव करने देगें। हम व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों से जुडे कलंक और भेदभाव को समाप्त करने और उनको समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए अपना पूर्ण योगदान देगें। हम सभी कलंक एवं भेदभाव के प्रति शून्य सहिष्णुता के लिये ***''भेदभाव समाप्त कर गरिमा सुनिश्चित करें''*** की प्रतिज्ञा लेते हैं।

धन्यवाद

संलग्नक–

ग्राम सभा प्रमुख का भाषण

सर्व प्रथम मैं ग्राम पंचायत के सभी सदस्यों, स्वयं सहायता समूहों के सभी सदस्यों, गैर सरकारी संगठनों, क्लब के सदस्यों, धार्मिक नेताओं, हमारे ग्रामीणों और बच्चों, मेरे भाईयों एवं बहनों को आज विकसित भारत के अभियान के अवसर पर ग्राम सभा की बैठक में भाग लेने के लिए धन्यवाद व्यक्त करता /करती हूँ। हमें अपने गांव को कुष्ठ रोग से मुक्त करने के लिए उसी तरह काम करना होगा जैसे हमने चेचक और पोलियो जैसी बिमारियों के लिए किया है। सभी सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में कुष्ठ रोग का उपचार निःशुल्क उपलब्ध है। हमारे स्वास्थ्य कार्यकर्ता(आशा एवं ए0एन0एम0) संदिग्ध कुष्ठ रोगियों का शीघ्र पता लगाने और पहचान करने के लिए घर–घर जाकर सर्वेक्षण कर रहे हैं। अगर किसी व्यक्ति के त्वचा पर हल्के रंग के दाग, धब्बे हैं जोकि सुन्न हैं ऐसे व्यक्ति संदिग्ध कुष्ठ रोगी हो सकते हैं और उन्हें तत्काल स्वास्थ्य केन्द्र पर सूचित करना चाहिए। उपचार में देरी होने से विकलांगता हो सकती है। कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों को शीघ्र खोजकर उन्हें ससमय उपचार दे दिया जायेगा तो वे पूर्ण रूप से ठीक हो जायेगें और विकलांगता से बच जायेगें। किसी प्रकार के अन्ध विश्वास, कल्पना या अफवाह पर विश्वास कत्तई न करें।

इस 30 जनवरी, महात्मा गांधी जी की पुण्य तिथि को हम स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान के रूप में मना रहे हैं। इस अभियान का यह प्रयास है कि कुष्ठ रोग के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सके। हम सभी को भारत से कुष्ठ रोग को समाप्त करने के लिए हर सम्भव प्रयास करने हैं।

"भेदभाव समाप्त कर गरिमा सुनिश्चित करें"

धन्यवाद।

संलग्नक–3

राष्ट्रीय कुष्ठ निवारण दिवस के अवसर पर निम्नलिखित सूचना एवं प्रचार–प्रसार संदेशों का प्रयोग समाज में जागरूकता लाने के लिये किया जा सकता है–

- कुष्ठ एक रोग है जो माइक्रोबैक्टिरियम लैप्रि नामक बैक्टिरिया के कारण होता है। यह अनुवांशिक रोग नही है।
- कुष्ठ रोग पिछले जन्म के पाप या बुराई के फलस्वरूप होने वाला रोग नही है।
- कुष्ठ रोग के लक्षण निम्नलिखित हैं–
  - ❖ त्वचा पर हल्के रंग के या तांबाई रंग के दाग धब्बे जिनमें संवेदनहीनता (सुन्नपन) हो, हाथ या पैरों में झनझनाहट का अनुभव, नसों में दर्द, हाथ पैर या पलकों की कमजोरी।
  - ❖ हाथों या पैरों पर सुन्नपन अथवा किसी प्रकार की विकलांगता।
  - ❖ त्वचा/चेहरे पर गांठ
- यदि आप किसी व्यक्ति में उपरोक्त कोई भी लक्षण देखते हैं तो तत्काल किसी आशा/ए0एन0एम0 या बहुद्देश्यीय कार्यकर्ता से सम्पर्क करें, वे आपको सही मार्गदर्शन देकर उस व्यक्ति के उपचार में सहायता करेंगें।
- सभी सरकारी संस्थानों में उपचार की सुविधा मुफ्त उपलब्ध है।
- कुष्ठ रोग का इलाज पूरी तरह सम्भव है।
- शीघ्र खोजे जाने और पूर्ण इलाज से कुष्ठ जनित विकलांगता से बचाव पूर्णतया सम्भव है।

कुष्ठ के लक्षण दिखते ही स्वास्थ्य कर्मियों से तुरन्त सम्पर्क करें, लक्षणों को छिपायें नहीं, बतायें और मुफ्त इलाज पायें।

"भेदभाव समाप्त कर गरिमा सुनिश्चित करें"

अक्सर पूंछे जाने वाले सामान्य प्रश्न एवं उनके उत्तर

प्रश्न 1. कुष्ठ क्या है ?

कुष्ठ रोग एक दीर्घकालिक (पुराना) संक्रामक रोग है ।

इसमें त्वचा पर हल्के रंग के धब्बे दिखाई देते हैं, साथ ही धब्बे संवेदना रहित होते हैं। रोग की शुरूआत बहुत ही धीमी गति और शांति से होती है। यह तंत्रिकाओं, त्वचा और आंखों को प्रभावित करता है।

सभी संक्रामक रोगों में कुष्ठ रोग बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि इस रोग में स्थायी, शारीरिक विकलांगता हो सकती है एवं इस रोग में विषेष रूप से रोगी में होने व दिखने वाली विकृति (विकलांगता) ही मरीज के साथ होने वाले सामाजिक भेदभाव के लिए जिम्मेदार है।

प्रश्न 2. कुष्ठ रोग का कारण क्या है ?

कुष्ठ रोग बैक्टीरिया (माइकोबैक्टीरियम लेप्रे) के कारण होता है।

प्रश्न 3. यह बीमारी कैसे फैलती है ?

- अनुपचारित कुष्ठ प्रभावित व्यक्ति ही एक मात्र जीवाणु को फैलाने के लिए जिम्मेदार होता है। संक्रामक व्यक्तियों के श्वसन तंत्र मुख्यता नाक के द्वारा यह बाहर निकलता है।
- रोग उत्पन्न करनें वाले जीवाणु मुख्यता श्वसन तंत्र जैसे कि छींकने, खासने(ड्रॉपलेट संक्रमण) से शरीर में प्रवेश करता है।
- शरीर में प्रवेश करने के बाद बैक्टीरिया तंत्रिकाओं एवं त्वचा की ओर पलायन कर जाता है।
- अगर शुरूआती चरण में इसका निदान व उपचार नहीं किया जाता है तो यह स्थायी विकृति के विकास की ओर अग्रसर हो जाता है।

प्रश्न 4. क्या यह रोग वंशानुगत होता है ?

इस रोग के वशांनुगत होने के कोई साक्ष्य नहीं हैं।

प्रश्न 5. कुष्ठ रोग के लक्षण क्या है ?

यदि किसी भी व्यक्ति में निम्नलिखित लक्षण दिखाई देता है तो कुष्ठ रोग का संदेह होना चाहिए :–

- गहरी रंग की त्वचा के व्यक्ति में हल्के रंग के धब्बे और हल्के रंग के व्यक्ति की त्वचा में गहरे अथवा लाल रंग के धब्बे।

- त्वचा के दाग धब्बों में संवेदनहीनता (सुन्नपन)
- हाथ या पैरों में अस्थिरता या झुनझुनी
- हाथ, पैरों या पलकों में कमजोरी
- नसों में दर्द
- चेहरे/कान में सूजन या घाव
- हाथ या पैरों में दर्द रहित घाव

प्रश्न 6. क्या कुष्ठ रोग का उपचार सम्भव है ?

कुष्ठ रोग का उपचार सम्भव है। यदि कुष्ठ रोग का पता शीघ्र चल जाये तो इसका उपचार एम0डी0टी0 द्वारा सम्भव है।

एम0डी0टी0 के उपचार के उपरान्त रोग की पुनरावृत्ति अत्यन्त दुर्लभ है।

प्रश्न 7. कुष्ठ रोगियों में लक्षण दिखने में इतना लम्बा समय क्यों लगता है ?

बीमारी के लक्षण लम्बे समय बाद दिखाई देते हैं क्योंकि कुष्ठ रोग से लक्षण उत्पन्न होने की अवधि (इन्कूबेशन की अवधि) कुछ हफ्तो से बीस साल या उससे अधिक का समय ले लेता है।

इस रोग की औसत इन्कूबेशन अवधि पांच साल से सात साल तक की होती है।

प्रश्न 8. कुष्ठ रोग होने के संदेह पर क्या करना चाहिए ?

कुष्ठ रोग के लक्षणों की उपस्थिति के मामले में कृपया अपने क्षेत्र की आशा या ए0एन0एम0 से सम्पर्क करें या निकटतम दवा खाने पर जायें।

प्रश्न 9. कुष्ठ रोग का क्या प्रभाव होता है ?

- कुष्ठ रोग में संवेदनहीनता और मांस पेशियों की कमजोरी के फलस्वरूप तंत्रिका क्षति के कारण शारीरिक विकलांगता और विकृति का कारण बनता है।
- इसके फलस्वरूप त्वचा सूख जाती है और संवेदनहीनता के साथ कठोर त्वचा, छाले एवं अल्सर(नासूर) उत्पन्न होने का कारण बनती है। यदि अल्सर की उपेक्षा की जाती है तो वह स्थिति को और खराब कर सकता है और विकलांगता में परिवर्तित हो सकता है। यदि मांसपेषियां भी प्रभावित होती हैं तो यह और भी जटिल होकर विकृति का रूप ले सकता है।

प्रश्न 10. कुष्ठ रोग के लिए दवा कहां उपलब्ध है ?

प्रदेश में सभी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर एम0डी0टी0 मुफ्त में उपलब्ध है । राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत एन0जी0ओ0 संस्थानों सहित सामान्य स्वास्थ्य प्रणाली के माध्यम से प्रत्येक वर्ष खोजे गये सभी रोगियों को निःशुल्क उपचार प्रदान किया जाता है।

प्रश्न 11. क्या विकृति ठीक हो सकती है ?

- हाँ। विकृतियों को पुर्ननिर्माण शल्य चिकित्सा द्वारा एवं अन्य सहायक उपकरणों के साथ ठीक किया जा सकता है।
- हालाँकि, विकृतियों की प्रारम्भिक पहचान कर, उपचार द्वारा रोका जा सकता है। कुष्ठ की पहचान होते ही शीघ्रातिशीघ्र एम0डी0टी0 दवा प्रारम्भ कर देनी चाहिए।

प्रश्न 12. विकलांगता को कैसे रोके ?

जितनी जल्दी हो सके, रोग की पहचान कर ससमय एम0डी0टी0 उपचार द्वारा विकृति को रोका जा सकता है।

इसलिए नियमित उपचार (एम0डी0टी0) लेना महत्वपूर्ण है। संवेदनहीनता या नस की दर्द की स्थिति में तुरन्त सूचित करें।

प्रश्न 13. क्या कुष्ठ रोगी को कुष्ठ अस्पताल भेजा जाना चाहिए ?

कुष्ठ रोगी को किसी विशेष चिकित्सालय/अस्पताल भेजे जाने की कोई आवश्यकता नहीं है। कुष्ठ अस्पतालों का समेकन सामान्य स्वास्थ्य सेवा में कर दिया गया है। हलाँकि जिन केसों का उपचार मुश्किल है और कुष्ठ प्रतिकिया(Lepra Reaction) के कुछ रोगियों को नजदीक के सामान्य अस्पतालों या कुष्ठ संस्थानों (Institute) में भेजा जा सकता है।

प्रश्न 14. क्या में कुष्ठ से प्रभावित व्यक्ति के साथ रह सकता हूँ ?

हाँ, आप कुष्ठ से प्रभावित व्यक्ति के साथ रह सकते हैं, क्योंकि यह अत्याधिक संकामक नहीं है। कुष्ठ रोग से पीढ़ित लोगों को अपने परिवार एवं समुदाय से अलग नहीं किया जाना चाहिए। वे सामाजिक कार्यक्रमों में भी भाग ले सकते हैं और काम और स्कूल को भी जा सकते हैं।

प्रश्न 15. क्या कुष्ठ से प्रभावित व्यक्ति विवाह कर सकता है ?

जी हाँ, कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति सामान्य वैवाहिक जीवन व्यतीत कर सकता है और बच्चे भी पैदा कर सकता है।

प्रश्न 16. क्या कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति के सम्पर्क में आने वालो की जांच आवश्यक है ?

जो लोग कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्ति के साथ रहते हैं, उन्हें बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए एक ही घर में रहने वाले लोगों एवं करीबी दोस्तों में नियमित रूप से कुष्ठ रोग की जांच किया जाना जरूरी है। साथ ही कुष्ठ रोगी के साथ रहने वाले लोगों को कुष्ठ के लक्षणों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए।

प्रश्न 17. एम0डी0अी0 दवा के बारे में किसी व्यक्ति को क्या जानना चाहिए ?

एम0डी0टी0 अलग–अलग दवाओं का संयोजन है क्योंकि कुष्ठ रोग का एकल (एन्टी कुष्ठ) दवा द्वारा इलाज सम्भव नहीं है।

कुष्ठ रोग के प्रकार के अनुसार प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा निर्धारित एम0डी0टी0 का पूरा कोर्स प्राप्त करना चाहिए।

अधिकतर स्वास्थ्य केन्द्रों के साथ ही दूर दराज क्षेत्रों में भी एम0डी0टी0 निःशुल्क उपलब्ध है।

एंम0डी0टी0 (कुष्ठ रोग की दवा) से होने वाले कोई भी प्रतिकूल लक्षण दिखाई देने पर निकटतम स्वास्थ्य केन्द्रों पर तुरन्त सूचित किया जाना चाहिए।

प्रश्न 18. क्या होगा यदि कोई कुष्ठ रोगी एम0डी0टी0 उपचार के निर्धारित कोर्स को पूरा नहीं करता है ?

यहाँ यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि कुष्ठ रोगी को एम0डी0टी0 का पूरा कोर्स अवश्य करना चाहिए। हालांकि कभी कभी ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं कि रोगी को इलाज रोकना पड़ सकता है, जैसे यदि रोगी को अपने निवास स्थान से बाहर जाना पड़ता है तो निम्नलिखित कार्यों की सलाह दी जाती है :–

- जिस स्वास्थ्य केन्द्र से वह उपचार ले रहा है वहां से उसे एक संदर्भन पत्र के लिए अनुरोध करना चाहिए। संदर्भन पत्र में जाँच एवं उपचार का विवरण शामिल होना चाहिए।
- नये स्थान के नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर सूचित करने से पूर्व उसे पूर्व के स्वास्थ्य केन्द्र से पर्याप्त मात्रा में एम0डी0टी0 के लिए अनुरोध करना चाहिए जिससे उपचार जारी रहे। सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर कुष्ठ का उपचार एवं देखभाल की सुविधा उपलब्ध है।
- नये स्थान पर अपने निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र को पहचान कर वहां पर अपने संदर्भन पत्र के साथ सूचित करें तथा नये स्वास्थ्य केन्द्र को अपने नये पते को मोबाइल नम्बर सहित बतायें।

प्रश्न 19. एम0डी0टी0 की दवा से क्या प्रतिकूल प्रतिक्रियायें हो सकती है ?

एम0डी0टी0 पूर्णता सुरक्षित है और गम्भीर प्रतिकूल प्रतिक्रिया दुर्लभ है। कुछ मामूली प्रतिक्रियायें हो सकती हैं।

- Rifampicin : से लाल रंग का मूत्र होता है।
- Dapsone : से एनीमिया होता है।
- Clofazimine : से त्वचा का रंग भूरा हो सकता है।

प्रश्न 20. क्या माँ और बच्चे के लिए गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान एम0डी0टी0 सुरक्षित है ?

जी हाँ।

प्रश्न 21. रिलैप्स क्या है ?

कुष्ठ रोग के एम0डी0टी0 द्वारा पूर्ण उपचार के पश्चात यदि किसी भी समय पुनः कुष्ठ के लक्षण दिखाई देते हैं तो उसे रिलैप्स कहते हैं। रिलैप्स की पहचान त्वचा पर नये दाग, धब्बे दिखाई देने से होती है।

प्रश्न 22. कुष्ठ रोग की प्रतिक्रिया क्या है ?

कुष्ठ रोग की प्रतिक्रिया में त्वचा के दाग, धब्बों में लालिमा, सूजन और दर्द अचानक उभर आते हैं और त्वचा पर नये धब्बे भी दिखाई दे सकते हैं। यह प्रतिक्रिया उपचार से पहले उपचार के दौरान और उपचार के वाद भी हो सकती है। इस अवस्था में नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर उपचार लिया जाना चाहिए।

प्रश्न 23. कार्यक्रम का वर्तमान में फोकस क्या है ?

भारत को कुष्ठ से मुक्त करने के लिए मूल वैश्विक रणनीति के तहत समाज में सभी कुष्ठ रोगियों को अतिशीघ्र खोजकर एम0डी0टी0 द्वारा उपचार कुष्ठ रोग के बोझ को कम करने में सहायक सिद्ध होगा। हमारी रणनीति का मूल सिद्धान्त है कि इस रणनीति कौशल में वृद्धि करना और कार्य कुशल स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या में वृद्धि और कुष्ठ से प्रभावित व्यक्तियों की कुष्ठ सेवाओं में भागीदारी को बढाना जिससे दिखाई देने वाली विकृतियों जिसे हम ग्रेड–2 विकलांगता (ग्रेड–2 केस) भी कहते हैं को कम किया जा सके ताकि इस रोग से जुडे हुए कलंक को समाप्त करने में सफलता मिले एवं कुष्ठ रोग से ग्रसित व्यक्ति को समाज की मुख्य धारा में जोड़ा जा सके।

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम
जनपद - मेरठ

"भेदभाव समाप्त कर गरिमा सुनिश्चित करें"

30 जनवरी 2026 से 13 फरवरी 2026

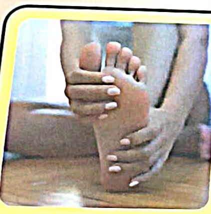

पंजे में कमजोरी

अंगुलियों में कमजोरी

आँख बंद करने में परेशानी

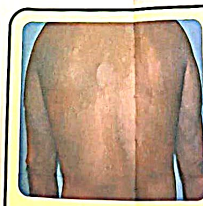

शरीर पर सुन्नदाग

दाग में लालपन अथवा सूजन

तंत्रिकाओं में मोटापन
दर्द अथवा झनझनाहट

लेपरा रिएक्शन

इनमें से कोई भी चिन्ह हो तो तुरन्त जाँच करवाये।
सभी अस्पतालों में जाँच व उपचार (एम.डी.टी.) मुफ्त उपलब्ध है।

डॉ. गजेन्द्र सिंह	डॉ. अशोक कटारिया	डॉ. वी.के. सिंह (IAS)
जिला कुष्ठ अधिकारी, मेरठ	मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मेरठ	जिला अधिकारी, मेरठ